#10

न्याय विभाग
DEPARTMENT OF JUSTICE

CSC
Your Trusted Neighbourhood Kiosk

राधा पिछले कई सालों से खाना बनाने का काम करती है उसकी बेटी मीरा जो 14 साल की हो गयी है उसको अपने साथ काम पर लाने लगती है।

राधा फिर अपनी बेटी को शाम 5 बजे साहब के घर छोड़ जाती थी और रात आठ बजे मीरा को लेने वापस आती थी। ये सिलसिला करीब एक महीने तक चला।
माँ क्या मैं तुम्हारे साथ बाकी घरों मे भी चल सकती हूँ?
क्या हुआ? तुझे साहब के घर में कोई दिक्कत है? उन्होंने कुछ कहा क्या या तुझे किसी बात पर डांटा तो नहीं? बता मुझे अगर कोई परेशानी है तो?
नहीं डांटा तो नहीं! पर...... पर पर मेरा अब वहा जाने का मन नहीं करता, प्लीज मुझे साथ ही ले जाया करो। मैं तुम्हें बिलकुल परेशान नहीं करुगी।
उसी रात अपने घर पहुंच कर राधा ने मीरा के शरीर पर नील और चोट के निशान देखे।
मीरा तुझे ये निशान कैसे लगे? तू मुझे सब कुछ खुल कर बता सकती है।

न्याय विभाग
DEPARTMENT OF JUSTICE

CSC
Your Trusted Neighbourhood Kiosk

न्याय विभाग
DEPARTMENT OF
JUSTICE

Your Trusted Neighbourhood Kiosk

राधा अपनी बेटी के साथ हुए हादसे के बारे में आंचल को बताती है।

वकील से बात करते हुऐ

न्याय विभाग
DEPARTMENT OF
JUSTICE

CSC
Your Trusted Neighbourhood Kiosk

माँ ने मेरी बताई बातों पर यकीन किया और वकील अंकल से मोबाइल पर बात की और उनके बातए तरीके से हमने पुलिस में कंप्लेंट दर्ज की और गलत काम करने के लिए साहब के खिलाफ कार्यवाही भी हुई। काउंसलिंग में जाने के बाद मैं पहले से बेहतर महसूस कर रही हूँ। हमें हौसला देने और सही राह दिखाने के लिए में टेली-लॉ सेवा का शुक्रिया करना चाहती हूँ।